
सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी (केन्द्रीय) सेट-2
2014 (बाहरी दिल्ली)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
 - कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
 - कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
-

खण्ड-‘क’

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (5)

तरुणाई है नाम सिंधु को उठती लहरों के गर्जन का,
चट्टानों से टक्कर लेना लक्ष्य बने जिनके जीवन का।
विफल प्रयासों से भी दूना वेग भुजाओं में भर जाता,
जोड़ा करता जिनकी गति से नव उत्साह निरन्तर नाता।
पर्वत के विशाल शिखरों-सा यौवन उसका ही है अक्षय,
जिनके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार साथ लय।
अचल खड़े रहते जो ऊँचा, शीश उठाए तूफानों में,
सहनशीलता दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में।
वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हों निर्झर,
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।

(क) कवि ने किसका आह्वान किया है और क्यों?

(ख) तरुणाई की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

(ग) चट्टानों से टक्कर लेने का क्या तात्पर्य है?

(घ) मार्ग की रुकावटों को कौन तोड़ते हैं और कैसे?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए:

'जिनके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार साथ लय।'

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

लोकतंत्र के तीनों पायों - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का अपना-अपना महत्व है किन्तु जब प्रथम दो अपने मार्ग या उद्देश्य के प्रति शिथिल होती हैं या संविधान के दिशा-निर्देशों की अवहेलना होती है तो न्यायपालिका का विशेष महत्व हो जाता है। न्यायपालिका ही है जो हमें आईना दिखाती है, किन्तु आईना तभी उपयोगी होता है जब उसमें दिखाई देने वाली चेहरे की विद्रूपता को सुधारने का प्रयास हो। सर्वोच्च न्यायालय के अनेक जनहितकारी निर्णयों को कुछ लोगों ने न्यायपालिका की अतिसक्रियता माना, पर जनता को लगा कि न्यायालय सही है। राजनीतिक चश्मे से देखने पर भ्रम की स्थिति हो सकती है।

प्रश्न यह है कि जब संविधान की सत्ता सर्वोपरि है तो उसके अनुपालन में शिथिलता क्यों होती है। राजनीतिक-दलगत स्वार्थ या निजी हित आड़े आ जाता है और यही भ्रष्टाचार को जन्म देता है। हम कसमें खाते हैं जनकल्याण की और कदम उठाते हैं आत्मकल्याण के। ऐसे तत्वों से देश को, समाज को सदा खतरा रहेगा। अतः जब कभी कोई न्यायालय ऐसे फैसले देता है जो समाज कल्याण के हों और राजनीतिक ठेकेदारों को उनकी औकात बताते हों तो जनता को उसमें आशा की किरण दिखाई देती है। अन्यथा तो वह अंधकार में जीने को विवश है ही।

(क) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। [1]

(ख) लोकतंत्र में न्यायपालिका कब विशेष महत्वपूर्ण हो जाती है? क्यों? [2]

(ग) आईना दिखाने का क्या तात्पर्य है और न्यायपालिका कैसे आईना दिखाती है? [2]

(घ) 'चेहरे की विद्रूपता' से क्या तात्पर्य है और यह संकेत किनके प्रति किया गया है? [2]

(ङ) भ्रष्टाचार का जन्म कब और कैसे होता है? [2]

(च) जनता को आशा की किरण कहाँ और क्यों दिखाई देती है? [2]

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए: [2]

'अन्यथा तो वह अंधकार में जीने को विवश है ही।'

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए: [1]

विद्रूपता

(झ) सरल वाक्य में बदलिए: [1]

'हम क्रसमें खाते हैं जनकल्याण की और कदम उठाते हैं आत्मकल्याण के।'

खण्ड-‘ख’

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (5)

(क) प्राकृतिक आपदाएँ : कारण और निवारण

(ख) प्रगति के पथ पर भारत

(ग) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(घ) शारीरिक शिक्षा का महत्व

4. रेलवे के आरक्षित डिब्बों में भी अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। (5)

अथवा

किसी प्रमुख समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर गाँवों में चिकित्सा-सुविधाओं के अभाव का उल्लेख कीजिए और कुछ गाँवों के बीच विशेष चिकित्सा-सुविधाओं वाले अस्पताल खोलने का सुझाव दीजिए।

5. (क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:

(i) पत्रकारिता की भाषा में मुखड़ा किसे कहते हैं?

(ii) एडवोकेसी पत्रकारिता क्या है?

(iii) संपादकीय किसे कहते हैं?

(iv) ‘डैड लाइन’ का क्या आशय है?

(v) ‘फ्रीचर’ की दो विशेषताएँ बताइए।

(ख) गाँवों में फैलता फ़ैशन' अथवा हताशा में आशा की किरण युवा' विषय पर आलेख लिखिए। (5)

6. ‘बढ़ती जनसंख्या-दर, घटती सुविधाएँ’ अथवा ‘भोजन पर सबका अधिकार’ विषय पर एक फ्रीचर का आलेख लिखिए। (5)

खण्ड-‘ग’

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (8)

मैं निज उर के उद्गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ,
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ
मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,
सुख-दुख दोनों में मग्न रहा करता हूँ
जग भव-सागर तरने को नाव बनाए,
मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।

(क) ‘निज उर के उद्गार’ से कवि का क्या तात्पर्य है?

(ख) कवि को संसार क्यों प्रिय नहीं है?

(ग) संसार की विषमताओं के बीच भी कवि कैसे जी रहा है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए:

‘मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ।’

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी।
जीविका बिहीन लोग सीधमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों कहाँ जाइ का करी?
वेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ विलोकिअत

साँकरे सबें पै राम ! रावरें कृपा करी।

दारिद-दसानन दबाई दुनी, दीनबन्धु !

दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी।

(क) कवि ने लोगों को जीविकाविहीनता का चित्रण कैसे किया है?

(ख) कवि ने रावण की तुलना किससे की है और क्यों?

(ग) राम-भक्ति के सन्दर्भ में कवि का क्या कहना है?

(घ) आपके विचार से तुलसी को हाय-हाय कहने की नौबत क्यों आई?

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (6)

मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,

मैं बना-बना कितने जग रोज़ मिटाता,

जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,

मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को टुकराता !

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए।

(ख) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

(ग) काव्यांश में 'और' शब्द के एकाधिक बार प्रयोग-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

अथवा

सो अनुराग कहाँ अब भाई, उठउ न सुनि मम बच बिकलाई।

जौं जनतेउँ बन बन्धु बिछोह, पितु बचन मनतेउँ नहिं ओहू॥

(क) काव्यांश में प्रयुक्त छन्द का नाम और लक्षण लिखिए।

(ख) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

(ग) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

9. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (6)

(क) 'बात सीधी थी पर' के आधार पर भाषा को सहूलियत से बरतने का आशय एक उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(ख) खेत और कागज के पन्ने के संदर्भ में 'रस का अक्षयपात्र' कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(ग) कविता के बहाने कविता और बच्चे में क्या समानता बताई गई है और क्यों?

10. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)

एक होली का त्योहार छोड़ दें तो भारतीय परम्परा में व्यक्ति के अपने पर हँसने, स्वयं को जानते-बूझते हास्यास्पद बना डालने की परम्परा नहीं के बराबर है। गाँवों और लोक संस्कृति में तब भी वह शायद हो, नागर सभ्यता में तो वह भी नहीं है। चैप्लिन का भारत में महत्व यह है कि वह 'अंग्रेजों जैसे' व्यक्तियों पर हँसने का अवसर देते हैं। चार्ली स्वयं पर सबसे ज़्यादा तब हँसता है जब वह स्वयं को गर्वोन्मत्त आत्मविश्वास से लबरेज़, सफलता, सभ्यता, संस्कृति तथा समृद्धि की प्रतिमूर्ति, दूसरों से ज़्यादा शक्तिशाली तथा श्रेष्ठ, अपने को 'वज्रादपि कठोराणि' अथवा 'मृदूनि कुसुमादपि' क्षण में दिखलाता है। तब यह समझिए कि कुछ ऐसा हुआ ही चाहता है कि यह सारी गरिमा सुई-चुभे गुब्बारे जैसी फुस्स हो उठेगी।

(क) होली का उल्लेख किस संदर्भ में किया गया है?

(ख) सुई-चुभे गुब्बारे का उदाहरण लेखक ने क्या प्रतिपादित करने के लिए दिया है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) ग्रामीण संस्कृति नगरीय संस्कृति से किस प्रकार भिन्न है?

(घ) चार्ली कौन था और वह स्वयं पर सबसे ज़्यादा कब हँसता है?

अथवा

इस दण्ड-विधान के भीतर कोई ऐसी धारा नहीं थी, जिसके अनुसार खोटे सिक्कों की टकसाल जैसी पत्नी से पति को विरक्त किया जा सकता। सारी चुगली-चबाई की परिणति, उसके पत्नी-प्रेम को बढ़ाकर ही होती थी। जिठानियाँ बात-बात पर धमाधम पीटी-कूटी जातीं; पर उसके पति ने उसे कभी उँगली भी नहीं छुआई। वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी को पहचानता था। इसके अतिरिक्त परिश्रमी, तेजस्विनी और पति के प्रति रोम-रोम से सच्ची पत्नी को वह चाहता भी बहुत रहा होगा, क्योंकि उसके प्रेम के बल पर ही पत्नी ने अलगौझा करके सबको आँगूठा दिखा दिया। काम वही करती थी, इसलिए गाय-भैंस, खेत-खलिहान, अमराई के पेड़ आदि के सम्बन्ध में उसी का ज्ञान बहुत बढ़ा-चढ़ा था।

(क) भक्तिन और उसके पति के संबंध की विशेषता बताइए।

(ख) लेखिका किस दण्ड-विधान की चर्चा कर रही है और क्यों?

(ग) भक्तिन की जिठानियों और उसमें क्या अन्तर था?

(घ) कैसे कहा जा सकता है कि भक्तिन को गाँव के जीवन और कामकाज की विशेष जानकारी थी?

11. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (12)

(क) बाज़ार जाते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) 'भक्तिन वाक्पटुता में बहुत आगे थी', पाठ के आधार पर उदाहरण देकर पुष्टि कीजिए।

(ग) सूखे के समय इंदर सेना पर पानी डालना कहाँ की बुद्धिमानी है? लेखक की इस उलझन को उसकी जीजी ने किस तरह सुलझाया?

(घ) सीमाएँ बँट जाने से दिल नहीं बँटा करते, 'नमक' कहानी में इस बात को किस तरह सिद्ध किया गया है?

(ङ) "अभी चार्ली चैप्लिन पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है।" लेखक ने यह बात क्यों और किस सन्दर्भ में कही है?

12. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (4)

(क) 'जूझ' के लेखक को मराठी अध्यापक क्यों अच्छे लगते थे? दो कारण लिखिए।

(ख) 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर भूषण के चरित्र की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) मुअनजो-दड़ो का शाब्दिक अर्थ क्या है? यह कहाँ स्थित है?

13. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (6)

(क) वाई.डी. पंत का आदर्श कौन था? उसके व्यक्तित्व की तीन विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'जूझ' के लेखक का पिता उसे पढ़ने से क्यों रोकना चाहता था? दत्ताराव को उसने लेखक की किन आदतों के बारे में बताया?

(ग) कला की दृष्टि से हड़प्पा-सभ्यता समृद्ध थी' पाठ के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

14. "सिल्वर वेडिंग" वर्तमान युग में बदलते जीवन-मूल्यों की कहानी है," सोदाहरण सिद्ध कीजिए। [5]

अथवा

महिलाओं के बारे में ऐन फ्रेंक के विचार वर्तमान जीवन-मूल्यों के अनुसार कितने प्रासंगिक हैं? सोदाहरण विवेचन कीजिए।
